ISSN 2278 - 6880
Approved by UGC

संग्रथन

शब्दब्रह्मणि निष्णातः परम् ब्रह्माधिगच्छति

यू.जी.सी. से अनुमोदित हिन्दी मासिक पत्रिका

हिन्दी विद्यापीठ,
टी.सी.44/2670,जगती,
तिरुवनन्तपुरम- 695014
केरल।

संस्थापक संपादक :

स्व.पी.जी.वासुदेव

मुख्य संपादक :
डॉ.वी.वी.विश्वम
Mob: 9446662694
sangrathan2012@gmail.com

संपादकः
डॉ.एम.एस.विनयचन्द्रन
Mob: 9447657301
msvinayachandran61@gmail.com

Web Edition : www.sangrathan.com

वर्ष : ३४ अंक : 12 दिसंबर : 2022
मूल्य : २० रुपये मात्र वार्षिक चन्दा : दो सौ रुपये मात्र
आजीवन सदस्यता शुल्क : २,००० रुपये मात्र

संगठन का संरक्षक मण्डल

आचार्य राजेन्द्र नाथ मेहरोत्रा, 'हिन्दी-विश्व गौरव-ग्रन्थ' शृंखला के प्रणेता एवं प्रकाशक, ग्वालियर (म.प्र.), मो:९४२५११००७७
प्रो.(से.नि.).डॉ.टी.जी.प्रभाशंकर'प्रेमी',विश्वविख्यात हिन्दी साहित्यकार एवं शिक्षाविद्,बंगलूर,मो:९८८०७-८१२७८
श्री विमलकुमार बजाज,प्रखर समाजसेवी,व्यवसायी एवं अध्यक्ष, पूर्वोत्तर हिन्दी अकादमी,शिलाँग,मेघालय,मो:९४३६१-११८९१
श्री योगेन्द्र कुमार, नोइडा (उ.प्र) डॉ.उमाकुमारी.जे.

सम्पादक मण्डल

प्रोफ़.हिल्डा जोसफ़
डॉ.एम.एस.राधाकृष्ण पिल्लै
डॉ.सी.जे.प्रसन्नकुमारी
डॉ.श्रीलता.के
डॉ. सुमा.एस
प्रोफ़.ए.मीरा साहिब
श्री.के.जनार्दनन नायर
प्रोफ़.एन.सत्यवती
डॉ. सुनिलकुमार.एस
डॉ.सोफ़िया राजन

इस अंक में....

संपादकीय : क्रिसमस	डॉ.सोफिया राजन	5-6
उन्नीसवीं बारिश (शर्मिला जालान का उपन्यास खंड)	शर्मिला जालान	7-12
माऊट शास्ता से क्रेटर तटाक - राष्ट्रीय उद्यान तक	डॉ.सी.जे.प्रसन्नकुमारी	12-17
माथे पर हिंदी की बिंदी	डॉ.सी.एस.सुचित	18-19
'अंधा युग' में विघटित मानव मूल्य	डॉ.गणेश.एम.	20-21
समाज सापेक्ष मीडिया : लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभ	रजिनी.एस.	21-25
'कैसी आगी लगाई' तथा 'रावी लिखता है' उपन्यासों का तुलनात्मक अवलोकन	पायल	26-32
पाठकों के पत्र		32
'दोहरा अभिशाप' में नारी विमर्श	अनु.बी.एस.	33-35
समाज में आजकल संस्कृति	जयदेवी.वि.ए.	36-39
'अज्ञेय' जी के उपन्यासों में मानवतावाद	डॉ.एस.सुनिलकुमार	40-43
हिजडा समाज की दस्तक : 'तीसरी ताली'	इब्राहीम कुट्टी	44-49
शोषितों का यथार्थ : 'हादसे' के संदर्भ में	तेरेसा टिनसी.टी.जी.	50-52
क्षणिकाएँ	डॉ.जयसिंह अलवरी	53
रमणन (कविता)	के.जनार्दनन नायर	54